ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

नैक द्वारा A ग्रेड प्राप्त Accredited with 'A' Grade By NAAC

प्रो. (डॉ.) कृपाशंकर चौबे
Prof. (Dr.) Kripa Shankar Chaubey
प्रोफेसर, जनसंचार विभाग
Profesor, Department of Mass Communication

पत्रांक : 26/2004/ज.वि./22/2026
दिनांक : 21.01.2026

सूचना

विश्वविद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु देश भर के विद्यार्थियों को आकर्षित करने के उद्देश्य से ***रील्स और शॉर्ट्स प्रतियोगिता*** का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के समस्त विद्यार्थी एवं शोधार्थी भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिता में सहभागिता के लिए इच्छुक विद्यार्थी एवं शोधार्थी अपने द्वारा निर्मित मौलिक रील्स और शॉर्ट्स के वीडियो जनसंचार विभाग के ई-मेल : dept_mass_com@hindivishwa.ac.in पर दिनांक 24 जनवरी, 2026 को सायं 05:00 बजे तक प्रेषित करें।

- **रील्स की अवधि :** अधिकतम 1 मिनट
- **शॉर्ट्स की अवधि :** अधिकतम 2 मिनट

विद्यार्थी या शोधार्थी रील्स अथवा शॉर्ट्स में से किसी एक प्रतियोगिता में ही सहभागिता कर सकते हैं। इस प्रतियोगिता में सहभागी होने के लिए विश्वविद्यालय का परिचय एवं उसकी अवधारणा सूचना के साथ संलग्न है। 'विश्वविद्यालय : परिचय एवं अवधारणा' के अनुरूप निर्मित रील्स और शॉर्ट्स ही स्वीकार्य होंगे। रील्स और शॉर्ट्स प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को क्रमश: 3000/- (तीन हजार), 2000/- (दो हजार) और 1000/- (एक हजार) रुपए की राशि से पुरस्कृत किया जाएगा।

21.01.26
(कृपाशंकर चौबे)
संयोजक
रील्स एवं शॉर्ट्स प्रतियोगिता

प्रतिलिपि :

1. कुलपति कार्यालय, म.गां.अं.हि.वि.वर्धा
2. कुलसचिव (सूचनार्थ एवं वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु)
3. समस्त अधिष्ठाता/विभागाध्यक्ष/केंद्र निदेशक
4. संबंधित पत्रावली

विश्वविद्यालय : परिचय एवं अवधारणा

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र का एक मात्र केंद्रीय विश्वविद्यालय है। यह भारत का अकेला अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय है। यहां उच्च शिक्षा और अनुसंधान का माध्यम हिंदी है। यहां विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों में स्नातक और स्नातकोत्तर की सस्ती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाती है। यहां जिन विषयों में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम संचालित हैं, वे हैं- भाषा विज्ञान, हिंदी भाषा, संस्कृत भाषा, मराठी भाषा, उर्दू भाषा, अंग्रेजी भाषा, फ्रांसीसी, स्पैनिश, जापानी, चीनी, हिंदी साहित्य, संस्कृत साहित्य, मराठी साहित्य, नाट्य कला शास्त्र, गांधी एवं शांति अध्ययन, दर्शन शास्त्र, हिंदू अध्ययन, जैन अध्ययन, बौद्ध अध्ययन, दलित एवं जनजातीय अध्ययन, अनुवाद अध्ययन, तुलनात्मक साहित्य, प्रवासन एवं डायस्पोरा, जनसंचार, समाज कार्य, मानवविज्ञान, मनोविज्ञान, समाज शास्त्र, इतिहास, प्रबंधन, कंप्यूटर अनुप्रयोग, भाषा प्रौद्योगिकी, एकीकृत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम (बी.ए.बी.एड.)। यहां हिंदी माध्यम से पांच वर्षीय स्नातक कार्यक्रम बी.ए.एल.एल.बी (आनर्स) संचालित है। ये सभी कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसरण में भारत को भारत की दृष्टि से देखने की भावना से तैयार किए गए हैं।

यहां संचालित परास्नातक कार्यक्रम हैं-बी.एड.-एम.एड. एकीकृत, बी.एड., एम.एड., एम.ए. शिक्षा शास्त्र, एम.ए. गांधी एवं शांति अध्ययन, एम.ए. मानवविज्ञान, एम.बीए., एम.ए. जनसंचार, एम.ए. नाट्य कला शास्त्र, एम.ए. इतिहास, एम.ए. दलित एवं जनजातीय अध्ययन, एम.ए. बौद्ध अध्ययन, एम.ए. दर्शन शास्त्र, एम.ए. हिंदू अध्ययन, एम.ए. राजनीति विज्ञान, एम.ए. समाज कार्य, एम.ए. समाज शास्त्र, एम.ए. हिंदी साहित्य, एम.ए. हिंदी भाषा, एम.ए. अनुवाद अध्ययन, एम.ए. तुलनात्मक साहित्य, एम.ए. संस्कृत, एम.ए. मराठी, एम.ए. भाषा विज्ञान, एम.ए. मनोविज्ञान, एम.ए. कंप्यूटर अनुप्रयोग। यहां संचालित पी.जी. डिप्लोमा कार्यक्रम हैं-कंप्यूटर अनुप्रयोग, अंग्रेजी-हिंदी अनुवाद, भारतीय डायस्पोरा, संगीत (हिंदुस्तानी गायन), परामर्श एवं निर्देशन।

यह विश्वविद्यालय आधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए विद्यार्थियों को एक जीवंत शैक्षिक और सांस्कृतिक परिवेश उपलब्ध कराता है जहां विविध सृजनात्मक प्रवृत्तियों पर बल दिया जाता है। शैक्षिक प्रक्रिया में संचार की नई तकनीकों, कल्पनाशीलता और सीखने के अनुभवपरक अवसरों के साथ-साथ सामाजिक जीवन से जुड़ने को भी महत्त्व दिया जाता है।

पूरा परिसर इंटरनेट (वाई फाई) की सुविधा से युक्त है। नियमित कार्यक्रम के छात्रों को छात्रावास की सुविधा उपलब्धता तथा वरीयता के आधार पर प्रदान की जाती है। विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के आधुनिकतम संसाधनों को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में लीला विभाग यानी Laboratory in Informatics for the Liberal Arts) है। उसकी समृद्ध कंप्यूटर प्रयोगशाला है। कंप्यूटर के शिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को शोध और ज्ञान की अधुनातन प्रविधियों से भी अवगत कराया जाता है। महापंडित राहुल सांकृत्यायन केंद्रीय पुस्तकालय में विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों से संबंधित एक लाख से अधिक पाठ्य-पुस्तकें एवं संदर्भ ग्रंथ उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के उपयोग के लिए महत्त्वपूर्ण शोध-पत्रिकाएँ, ई-संसाधन एवं ऑनलाइन जर्नल भी उपलब्ध हैं। इसके अलावा सभी विद्यापीठों के अपने-अपने पुस्तकालय हैं। विश्वविद्यालय में व्यायामशाला है। योग प्रशिक्षण की सुविधा है। मेजर ध्यानचंद की स्मृति में एक स्थायी क्रीड़ा स्थल है जहां विद्यार्थी शारीरिक गतिविधियों तथा संगठित खेलकूद और खेल कार्यक्रमों में हिस्सा लेते हैं। विद्यार्थियों को आधारभूत स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य केंद्र है। विश्वविद्यालय में 21 महाराष्ट्र बटालियन एनसीसी स्थापित है। राष्ट्रीय सेवा योजना भी संचालित है।

विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर से परिचित कराने एवं इसके लिए आवश्यक मार्गदर्शन करने की दृष्टि से विश्वविद्यालय में व्यवसाय एवं नियोजन प्रकोष्ठ है। इस विश्वविद्यालय से उपाधि प्राप्त करनेवाले विद्यार्थी विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं में नियोजित होते रहे हैं।

स्नातक एवं परास्नातक के नियमित कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए सीयूइटी की केंद्रीकृत व्यवस्था है। सीयूइटी के अंतर्गत पंजीकृत विद्यार्थी ही सीटों के रिक्त रहने की स्थिति में मेरिट के आधार पर प्रवेश पा सकते हैं।

वर्धा पहुँचना बहुत आसान है। रेल, सड़क और वायु-तीनों मार्गों से यहाँ पहुँचा जा सकता है। रेलमार्ग से यह समूचे देश से जुड़ा है। यहाँ 'सेवाग्राम' और 'वर्धा' दो रेलवे स्टेशन हैं। वर्धा से लगभग 70 किलोमीटर दूरी पर नागपुर का बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है, जहाँ से देश के सभी प्रमुख शहरों के लिए नियमित उड़ानें हैं।

विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का संचालन करता है। अब तक इन कार्यक्रमों में यूरोप, अमेरिका और एशिया के विभिन्न देशों- जर्मनी, पोलैंड, बेल्जियम, क्रोएशिया, हंगरी, श्रीलंका, थाईलैंड, मॉरीशस, चीन, मलेशिया, जापान, सिंगापुर, नेपाल, कोरिया आदि के विद्यार्थी विभिन्न कार्यक्रमों में अध्ययन कर चुके हैं अथवा कर रहे हैं। विश्वविद्यालय ने समय समय पर विभिन्न देशों के विश्वविद्यालयों के साथ शैक्षणिक अनुबंध किए हैं। ये देश हैं: श्रीलंका, हंगरी, मॉरिशस, जापान, बेल्जियम, इटली, जर्मनी, रूस और चीन।